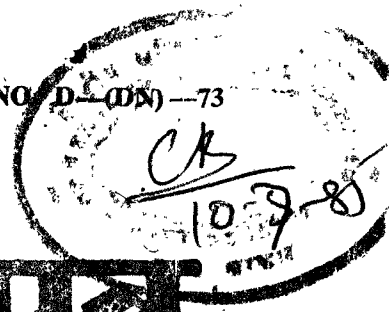




भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 15] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 13, 1985 (चैत्र 23, 1907)
No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 13, 1985 (CHAITRA 23, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	361	भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)	
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	465	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश	
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	1	भाग III—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	12277
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	169	भाग III—खंड 2—पेटेंट कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	343
भाग II—खंड I—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	
भाग II—खंड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	965
भाग II—खंड 2—विवेक तथा विवेकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्टें	*	भाग IV—पैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	59
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—छत्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के भांके को दिखाने वाला अनुपूरक	
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*		

* पृष्ठ संख्या दी जाती है।

CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	361	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	465	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	1	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	12277
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	468	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	343
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	965
PART II—SECTION 2—Bills, and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	59
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1985

सं० 32-प्रेज/85—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जसवन्त सिंह,

(मरणोपरांत)

सं० बी/850,

पुलिस उप-निरीक्षक,

दिल्ली ।

श्री मलकियत सिंह,

सं० 325/सी,

हैड कांस्टेबल,

दिल्ली ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

4 जून 1984 को पांच पञ्चस्र बाकुधों ने न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, में स्टेट बैंक प्राक बोकानेर और जयपुर में प्रवेश किया और खजांची से पिस्तौल दिखाकर 2,82,000 रुपए और 1,25,000 रुपए नकद लूट लिए। डकैती की सूचना केंद्रों में कार्य करने वाले एक लड़के ने पुलिस चौकी के प्रभारी उप-निरीक्षक जसवन्त सिंह को दी। श्री जसवन्त सिंह, उप-निरीक्षक, श्री चरण सिंह, पुलिस सहायक उप-निरीक्षक, श्री मलकियत सिंह, हैड कांस्टेबल के साथ अपने स्कूटर पर तुरन्त घटनास्थल पर गए। पुलिस वल को देखकर डाकू बैंक से बाहर निकल भागे और उन्होंने अन्धधुन्ध गोलीबारी शुरू कर दी। एक गोली श्री जसवन्त सिंह के हाथ में लगी लेकिन वह विचलित नहीं हुए और उनको लसकारा। अपने जीवन की परवाह न करते हुए श्री जसवन्त सिंह, उप-निरीक्षक और हैड-कांस्टेबल मलकियत सिंह अपराधियों की ओर बढ़ते रहे। श्री जसवन्त सिंह को पुनः गोली लगी जो घातक सिद्ध हुई तथा वे गिर पड़े। परन्तु श्री मलकियत सिंह तब तक अपनी लाठी चलाते रहे जब तक वे भी अपराधियों द्वारा चलाई जा रही गोलियों से असमर्थ नहीं हो गए। इस दौरान सहायक उप-निरीक्षक चरण सिंह ने, जिसे आश्रयस्थल मिल गया था, अपराधियों पर गोली चला दी। तब अपराधियों ने बच निकलने का निर्णय किया। बचकर भाग निकलने की जल्द-बाशी में डाकू सारी लूटी हुई वन राशि पीछे छोड़ गए। श्री जसवन्त सिंह और श्री मलकियत सिंह को डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया जहाँ श्री जसवन्त सिंह को मृत घोषित कर दिया गया।

श्री जसवन्त सिंह, उप निरीक्षक और श्री मलकियत सिंह, हैड कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 4 जून 1984 से दिया जाएगा।

सं० 33-प्रेज/85—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री नन्द कुमार उमाकांत गोखले,

(मरणोपरांत)

पुलिस उप-निरीक्षक,

बृहत्तर,

बम्बई ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

18 मई 1984 की रात को बम्बई नगर के विभिन्न भागों में दो समुदायों के बीच गम्भीर साम्प्रदायिक वारदातें और दंगे मड़क उठे। नागपाड़ा घाने के सभी कर्मचारी शहर में विधि और व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात कर दिए गए। उसी दिन लगभग 22.15 बजे कामायिपुरा में दो सम्प्रदायों के बीच झगड़े की एक बड़ी घटना के सम्बन्ध में थाना नागपाड़ा में सूचना प्राप्त हुई। उस समय थाने में कोई बल उपलब्ध नहीं था। उप-निरीक्षक नन्द कुमार उमाकांत गोखले ने स्थिति की अत्यावश्यकता और गम्भीरता को महसूस करते हुए तथा कर्तव्य परायणता को ध्यान में रखते हुए मोटर साइकिल पर एक अन्य पुलिस उप-निरीक्षक को अपने साथ लिया और घटनास्थल की तरफ गए। वहाँ पहुँचने पर मानस हुआ कि एक दूधे पर निस्संकोच रूप से पत्थर, सोडा वाटर की बोतलें और अन्य वस्तुएँ फेंकी जा रही थी जिसके कारण दोनों समुदायों के लोग गम्भीर रूप से घायल हो रहे थे। दोनों पुलिस उप-निरीक्षक भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे थे किन्तु अप्रकट रहे। उप-निरीक्षक गोखले ने केवल 3 पुलिस कर्मचारियों की सहायता से हिंसक भीड़ का पीछा किया। उन्होंने प्रकले ही उनको पीछे खदेड़ने की कोशिश की और उनको तितर-बितर कर दिया। इस कार्रवाई में वे भीड़ के अन्दर घुस गए और पुलिस बल के अन्य सदस्यों से उनका सम्पर्क टूट गया। अंधेरे और क्षेत्र की सघनता का लाभ उठाते हुए बदमाशों ने उप-निरीक्षक गोखले का घेर लिया तथा दबोच लिया और बड़ी निर्दयता से उनकी हत्या कर दी।

इस प्रकार श्री नन्द कुमार उमाकांत गोखले, उप-निरीक्षक, ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 18 मई 1984, से दिया जाएगा।

सं० 34-प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री विक्रम सिंह,
पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक,
एटा ।

श्री अशोक कुमार रावत,
पुलिस उप-निरीक्षक,
अलीगंज,
जिला एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

19 मई 1982, को शम को सूचना प्राप्त हुई कि डाकू पोथी अपने गिरोंह सहित थाना अलीगंज के अन्तर्गत गांव बिथेरा के निकट एकत्र होगा। डाकू पोथी लगभग 52 जघन्य अपराधों में अन्तर्ग्रेस्त था और नागपुर मामले में जिसमें थाना अलीगंज के प्रभारी निरीक्षक, 9 पुलिस कर्मचारी और 3 व्यक्तियों की मृगंस रूप से हत्या कर दी गयी थी, के लिए उत्तरदायी था। पुलिस उसे पकड़ना चाहती थी और उसे जीवित अवस्था मृत रूप से पकड़े जाने के लिए 10,000/- रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

उपलब्ध पुलिस बल को एकत्रित किया गया और गिरोंह को तीन तरफ से घेरने का निर्णय किया गया। श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, तीन बलों में से एक का नेतृत्व कर रहे थे। श्री अशोक कुमार रावत, उप-निरीक्षक, इस सक्रियता में श्री विक्रम सिंह की सक्रिय रूप से सहायता कर रहे थे। डाकूओं को आत्म-समर्पण करने के लिए कहा गया किन्तु उन्होंने पुलिस दल पर अन्धा-धुन्ध गोली चलायी शुरू कर दी। वे वृक्षों, नालियों और बीमारों के कारण अच्छी स्थिति में थे लेकिन पुलिस खुले स्थान में थी जहाँ कोई झाड़ नहीं थी। डाकूओं ने श्री विक्रम सिंह पर एक हथगोला फेंका परन्तु वे अव्यभूत रूप से बच गये। तब डाकूओं ने स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से भारी गोलाबारी की। डाकूओं की भारी गोलाबारी और भयंकर आक्रमण के बावजूद पुलिस ने आक्रमण शुरू किया और वे दो डाकूओं पुष्पा तथा पोथी को मारने में सफल हो गए। उनसे मैगजीन में 4 राँद सहित एक स्टेनगन और 18 चालू कारतूस, एक, 303 सविन राइफल सहित 36 कारतूस बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक और श्री अशोक, कुमार रावत, पुलिस उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी विभांक 19 मई, 1982 से दिया जाएगा।

सं० 35-प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री अमर सिंह, (द्वितीय बार)
पुलिस उप-अधीक्षक,
अलीगंज,
जिला एटा ।

श्री राम चरण सिंह (प्रथम बार),
पुलिस निरीक्षक,
अलीगंज,
जिला एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

19 मई 1982, को शम को सूचना प्राप्त हुई कि डाकू पोथी अपने गिरोंह सहित थाना अलीगंज के अन्तर्गत गांव बिथेरा के निकट एकत्र होगा। डाकू पोथी लगभग 52 जघन्य अपराधों में अन्तर्ग्रेस्त था और नागपुर मामले जिसमें थाना अलीगंज के प्रभारी निरीक्षक, 9 पुलिस कर्मचारी और 3 व्यक्तियों की मृगंस

रूप से हत्या की गयी थी, के लिए उत्तरदायी था। पुलिस उसे पकड़ना चाहती थी और उसे जीवित अवस्था मृत रूप से पकड़े जाने के लिए 10,000/- रुपए का पुरस्कार घोषित किया गया था।

उपलब्ध पुलिस बल को एकत्रित किया गया और गिरोंह को तीन तरफ से घेरने का निर्णय किया गया। श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक और श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, तीन पुलिस बलों में से दो का नेतृत्व कर रहे थे। डाकूओं को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया किन्तु उन्होंने पुलिस पर अन्धाधुन्ध गोली चलायी शुरू कर दी। वे वृक्षों, नालियों और बीमारों के कारण अच्छी स्थिति में थे लेकिन पुलिस खुले स्थान में थी जहाँ कोई झाड़ नहीं थी। डाकूओं ने पुलिस दलों की तरफ हथगोला फेंका जो श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, के बहुत निकट आकर फटा परन्तु वे अव्यभूत रूप से बच गए। तब डाकूओं ने स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से भारी गोलाबारी की। डाकूओं की भारी गोलाबारी और भयंकर आक्रमण के बावजूद पुलिस बलों ने आक्रमण शुरू किया और दो डाकूओं पुष्पा तथा पोथी को मारने में सफल हो गए। उनसे मैगजीन में 4 राँद सहित एक स्टेनगन और 18 चालू कारतूस, एक, 303 सविन राइफल सहित 36 कारतूस बरामद किए गए।

इस मुठभेड़ में श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक और श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता विभांक 19 मई 1982 से दिया जाएगा।

सं० 36-प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी बीरता के लिए पुलिस पदक का बार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री विक्रम सिंह (प्रथम बार),
पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक,
एटा ।

श्री अमर सिंह, (तृतीय बार)
पुलिस उप-अधीक्षक,
एटा ।

श्री राम चरण सिंह (द्वितीय बार),
पुलिस निरीक्षक,
अलीगंज,
एटा ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया :

22 मार्च 1982, को एक मुखबिर ने सूचित किया कि महाबीर अपने गिरोंह के साथ गांव अहान नगर, थाना अलीगंज में उपस्थित था। सुरस पांच छापामार बल बनाए गए। श्री विक्रम सिंह, पुलिस बरिष्ठ अधीक्षक, श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, और श्री शांति स्वरूप शर्मा, कम्पनी कमाण्डर, पी० ए० सी०, आगरा, मुख्य आक्रमण बल में थे। श्री राम चरण सिंह को बिना बर्दी में दल का प्रभार दिया गया जिसको एक निरीक्षक दल के रूप में कार्य करना था। पुलिस के पहुँचने का आभास होने पर गिरोंह ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी और गोलीबारी की झाड़ में बच कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने गिरोंह का पीछा किया और भारी तथा लगातार गोलीबारी के बावजूद बचकर भाग निकलने के सभी मार्ग बन्द कर दिए। डाकूओं ने श्री विक्रम सिंह और उनके दल पर ग्रेनेड और स्वचालित हथियारों से हमला किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए पुलिस दल ने पक्का इरादा कर डाकूओं का पीछा किया और अन्ततः खतरनाक डाकू महाबीर और उसके दो साथियों का गिरा ला लालू को गोली से मार गिराने में सफल हो गया।

इस मुठभेड़ में श्री विक्रम सिंह, पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक, श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, श्री राम चरण सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक का बार के नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 22 मार्च, 1982 से दिया जाएगा।

सं० 37-प्रेज/85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शांति स्वरूप शर्मा,
कम्पनी कमाण्डर,
15वीं बटालियन,
पी० ए० सी०,
आगरा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

22 मार्च 1982, को एक मुखबिर ने सूचित किया कि महावीर अपने गिरोंह के साथ गांव जहान नगर, थाना अलीगंज में उपस्थित था। तुरन्त पांच छापामार दल बनाए गए। श्री विक्रम सिंह, पुलिस वरिष्ठ अधीक्षक, श्री अमर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, और श्री शांति स्वरूप शर्मा, कम्पनी कमाण्डर, पी० ए० सी०, आगरा, मुख्य आक्रमण दल में थे। श्री राम चरण सिंह को बिना बर्बाद में बल का मार दिया गया जिसको एक निरोधक दल के रूप में कार्य करना था। पुलिस पहुँचने का आभास होने पर गिरोंह ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी और लीबारी की आड़ में बच कर भागने की कोशिश की। पुलिस ने गिरोंह का पीछा तथा भारी तथा लगातार गोलीबारी के बावजूद बचकर भाग निकलने सभी मार्ग बन्द कर दिए। डाकुओं ने श्री विक्रम सिंह और उनके बल पर घेरे हुए और स्वचालित हथियारों से हमला किया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए पुलिस बल ने पक्का हरावा कर डाकुओं का पीछा किया और अन्ततः अन्तरनाक डाकू महावीर और उसके दो साथियों कारे और लालू को गोली से मार गिराने में सफल हो गया।

इस मुठभेड़ में श्री शांति स्वरूप शर्मा, कम्पनी कमाण्डर, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 22 मार्च 1982, से दिया जाएगा।

के० सी० सिंह, राष्ट्रपति का उप सचिव

योजना मंत्रालय

सांख्यिकी विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 मार्च 1985

एडोबन

सं० एम०-13016/12/84-समन्वय—कृषि कीमतें तथा जीवन-निर्वाह लागत सांख्यिकी संबंधी तकनीकी सलाहकार समिति के गठन के बारे में इस विभाग की दिनांक 22-8-1984 की अधिसूचना सं० एम-13016/12/84-समन्वय के पैरा 1 की क्रम सं० 17 के बाव निम्नलिखित जोड़े :—

18. आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशक,

महाराष्ट्र सरकार,
डी० डी० बिल्डिंग, पुराना कस्टम हाउस,
बम्बई-400023।

धार० एम० सुन्दरम, धवर सचिव

औद्योगिक विकास विभाग

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1985

संकल्प

सं० ग्लास/10(4)/83—सरकार ने 29-10-1983 के संकल्प सं० ग्लास/10(4)/83 के अधीन भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए ग्लास तथा ग्लासवेयर उद्योग की विकास नामिका का पुनर्गठन किया है।

उक्त संकल्प 19-11-1983 को भारत के राजपत्र के भाग—I—खण्ड-1 में प्रकाशित किया गया था।

नामिका के सदस्य, श्री आई० एच० पद्मसी का निधन हो जाने के कारण, उनके स्थान पर श्री ए० सी० पद्मसी को लेने का निर्णय किया गया है।

श्री संजय तन्तवाला के स्थान पर श्री सी० ए० तन्तवाला का नामिका के सदस्य के रूप में लेने का निर्णय किया गया है क्योंकि श्री संजय तन्तवाला का अब ग्लास तथा ग्लासवेयर उद्योग से कोई सम्बन्ध नहीं है।

तकनीकी विकास महानिदेशालय के अपर औद्योगिक सलाहकार, श्री जी० एल० केसवामी को नामिका के सदस्य के रूप में लेने का भी निर्णय किया गया है।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी प्रादेश दिया जाता है कि ग्राम-सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गंजवाल, निदेशक (प्रशासन)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1985

संकल्प

सं० 14028/1/85-प्रथम प्रशा०—कृषि मूल्य आयोग को, जिसका गठन आद्य और कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के संकल्प संख्या 6-2/65-सी (ई) तारीख 8-1-1965 द्वारा किया गया था, तत्काल से कृषि लागत और मूल्य आयोग के नाम से जाना जाएगा।

आयोग के विचारार्थ विषयों में उपरोक्त तारीख 8-1-1965 के संकल्प में मूल रूप से रख गए तथा तदनुसार कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के संकल्प संख्या 14011/2/78-प्रथम नीति तारीख 5-3-1980 द्वारा संशोधित विषयों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों, सभी राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों, योजना आयोग मंत्रिमण्डल सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत के नियंत्रक और महा-लेखा परीक्षक तथा कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के सभी संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों को भेजी जाए।

यह भी प्रादेश दिया जाता है कि ग्राम जानकारी के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० सुब्रमणियम, सचिव

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1985

संकल्प

विषय :—सिन्धी सलाहकार समिति का पुनर्गठन ।

सं० एफ० ०-1/85-डैस्क-3 (भाषा)—शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 1972 में आयोजित सिन्धी अध्ययताओं तथा लेखकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में की गयी सिफारिशों के अनुसरण में सिन्धी में मातृ साहित्य तैयार करने की एक योजना तैयार की गयी थी । योजना भारत सरकार द्वारा वर्ष 1975 में शुरू की गयी थी । सिन्धी भाषा के विशिष्ट अध्ययताओं तथा शिक्षा-विदों की एक सिन्धी सलाहकार समिति नियुक्त की गयी । सिन्धी सलाहकार समिति का समय-समय पर पुनर्गठन किया गया है । इसका अन्तिम पुनर्गठन वर्ष 1975 में किया गया था ।

2. समिति बाल साहित्य संबंधी पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, विश्व-कोष तथा पाठ्य-पुस्तकों सहित सिन्धी में शैक्षिक तथा अन्य साहित्य तैयार करने में भारत सरकार को अत्युत्तम ढंग से सलाह देगी । समिति में अन्य बातों के साथ-साथ इसके सदस्यों में सिन्धी भाषा को विख्यात अध्ययता भी शामिल होंगे । उनकी समिति में उपस्थिति का लाभ भारत सरकार द्वारा उनसे सम्बन्धित ऐसे ही शैक्षिक मामलों में समिति की सलाह लेकर प्राप्त किया जाएगा ।

3. कार्य : समिति का कार्य सरकार की निम्नलिखित कार्यों में सलाह देना है :

- (क) विज्ञान तथा प्राधुनिक ज्ञान की अन्य भाषाओं से सम्बन्धित पुस्तकें, बाल साहित्य, सन्दर्भ कृतियाँ, विश्वकोष बुनियादी पाठ्य आदि सहित सिन्धी में साहित्य तैयार करना;
- (ख) सिन्धी की प्रोन्नति से सम्बन्धित मामलों में जिन्हें समिति को भेजा जाएगा; तथा
- (ग) सिन्धी की प्रोन्नति के लिए ऐसे समारोह आयोजित करना जो इसे समय-समय पर भारत सरकार को सौंपे जाएंगे ।

4. संरचना : सिन्धी सलाहकार समिति में निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

(i) अध्यक्ष	केन्द्रीय शिक्षा मंत्री शिक्षा मंत्रालय पवेन
(ii) डा० मोतीलाल जोटवाणी	उपाध्यक्ष दिल्ली
(iii) अध्ययता	
प्रो० राम पंजवानी	सदस्य बम्बई
(iv) प्रो० हरी दिसगीर दरयानी	सदस्य प्रविपुर (कच्छ)
(v) श्री लक्ष्मी खिलानी	सदस्य कलकत्ता
(vi) श्री गोविन्द मलाही	सदस्य बम्बई ।
(vii) श्री गोबरधन माहबूमी	सदस्य भारती अजमेर ।
(viii) डा० (शुभारी) पोपाली	सदस्य हीरानन्दाजी बम्बई
(ix) श्री ब्याल दास फंज	सदस्य पोपाल
(x) डा० एम० के० जेतली	सदस्य दिल्ली ।
(xi) डा० नारायणी समताणी	सदस्य वाराणसी ।
(xii) प्रो० सी० जे० देशपाणी	सदस्य पुणे ।

(xiii) श्री भगवान देव भाषाई
दिल्ली ।

सदस्य

निम्नलिखित स्वीकृत संगठनों में से एकप्रतिनिधि तबस्य होगा :-

- (xiv) अखिल भारतीय सिन्धी बोली साहित्य तथा कला विकास सभा बम्बई ।
- (xv) अखिल भारतीय सिन्धी बोली तथा साहित्य सभा बम्बई ।
- (xvi) मध्य प्रदेश सिन्धी समाज इन्दौर ।
- (xvii) मध्य प्रदेश लेखक मंच भोपाल ।
- (xviii) मध्य प्रदेश सिन्धी राष्ट्रिय गिल्ड, भोपाल ।
पवेन-सदस्य ।
- (xix) साहित्य अकादमी का अध्यक्ष अथवा उसका नामांकित व्यक्ति ।
- (xx) राष्ट्रीय पुस्तक ग्यास का अध्यक्ष अथवा उसका नामांकित व्यक्ति ।
- (xxi) संयुक्त शिक्षा सलाहकार (भाषा) शिक्षा मंत्रालय ।
- (xxii) वित्तीय सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय ।
- (xxiii) निदेशक केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय, नई दिल्ली ।
- (xxiv) निदेशक उर्दू प्रोन्नति भ्यूरी नई दिल्ली ।
- (xxv) निदेशक (भाषा) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली—सदस्य सचिव ।

सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा । पवेन-सदस्य तब तक सदस्य रहेंगे । जब तक वे उस पद पर कार्य करते रहेंगे जिसके लिए वह समिति के सदस्य बने ।

यदि त्यागपत्र मृत्यु आदि के कारण समिति में कोई रिक्ति होती है तो उस रिक्ति पर नियुक्त किया गया सदस्य दो वर्षों की बकाया अवधि के लिए सदस्य होगा ।

5. बैठकें : समिति की बैठक वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य होगी । तथापि बैठक कभी भी मुलाई जा सकती है जैसा उचित समझा जाएगा ।

6. सचिवालय : केन्द्रीय हिन्दी निवेशालय (सिन्धी एकक) समिति के सचिवालय के रूप में कार्य करेगा ।

7. विषय तालिका/कार्य दल/उप-समितियाँ : समिति को अपने कार्यों के निष्पादन के सम्बन्ध में यथा अपेक्षित विषय तालिका/कार्य दल/उप-समितियाँ गठित करने का अधिकार होगा ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपियाँ, सिन्धी सलाहकार समिति के सभी सदस्यों, वैज्ञानिक और तकनीकी सहायकी आयोग के अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद के महानिदेशक, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान के निदेशक, उर्दू प्रोन्नति भ्यूरी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राष्ट्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के अध्यक्षों, सभी कुलपतियों, प्रधान मंत्री के कार्यालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय और भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाएं ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में सूचनाई प्रकाशित किया जाए ।

टी० एन० दर, संयुक्त शिक्षा सलाहकार भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1985

सं० एफ० 10-7/79 बी० पी० यू० :- राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप नियम 4 के अनुसरण में भारत सरकार एतद्वारा उर्दू प्रोन्नति भ्यूरी के कार्यालय को अधि-सूचित करती है, जिसके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्य साक्षर ज्ञान प्राप्त कर लिया है ।

एस० धार० सिंह, सहायक शिक्षा सलाहकार

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 30th March 1985

No. 32-Pres/85.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of Delhi Police :—

Names and rank of the officers

Shri Jaswant Singh, (Posthumous)
Sub-Inspector (No. D/850).

Shri Malkiat Singh,
Head Constable (No. 325/C).

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 4th June, 1984, five armed dacoits entered in the State Bank of Bikaner and Jaipur, New Rohtak Road, New Delhi, and looted cash amounting to Rs. 2,82,000/- and Rs. 1,25,000/- from the Cashier at pistol point. The incident of dacoity was reported to Sub-Inspector Jaswant Singh, Incharge of the Police Post, by a canteen boy. Immediately Shri Jaswant Singh, rushed to the spot on his scooter alongwith Shri Charan Singh, Asstt. Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable. On seeing the Police Party, the dacoits came out of the Bank and started firing indiscriminately. One of the bullets hit Shri Jaswant Singh in his hand but he was undeterred and challenged them. Shri Jaswant Singh, Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable kept advancing towards the criminals in utter disregard to their own safety. Shri Jaswant Singh was again hit which proved fatal and he fell down. But Shri Malkiat Singh continued blowing his lathi till he was also incapacitated by the bullets fired by criminals. Meanwhile ASI Charan Singh, who had found cover opened fire at the criminals. The criminals then decided to escape. In their hurried bid to escape the dacoits left behind the entire looted amount. Shri Jaswant Singh and Shri Malkiat Singh were removed to Dr. Ram Manohar Lohia Hospital where the former was declared dead.

Shri Jaswant Singh, Sub-Inspector and Shri Malkiat Singh, Head Constable exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 4th June, 1984.

No. 33-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Maharashtra Police :—

Name and rank of officer

Shri Nandakumar Umakant Gokh (Posthumous)
Sub-Inspector of Police,
Greater Bombay.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the night of the 18th May, 1984, serious communal incident and riots broke out between two communities in different parts of Bombay City. The entire staff of Nagpada Police Station was deployed to maintain law and order in the city. At about 22.15 hours on the same day information was received by Nagpada Police Station about a major incident of confrontation between two communities in Kamathipura. There was hardly any available force in the Police Station at that time. Sub-Inspector Nandakumar Umakant Gokhale realising the urgency and seriousness of the situation and responding to a call of duty took with him another Police Sub-Inspector and rushed to the spot on the motor-cycle. On reaching there, they found that stones and soda water bottles and other missiles were being freely exchanged causing serious injuries to the members of both communities. Both the Police Sub-Inspectors tried to control the mob but in vain. Sub-Inspector Gokhale chased the violent mob with the assistance of only three Policemen. He attempted single handed to push them back and disperse them. In the process he penetrated deep into the crowd and lost contact with other members of the Police Party. Taking advantage of the darkness and congested area, the miscreants encircled and over-powered Shri Gokhale and killed him brutally.

Shri Nandakumar Umakant Gokhale, Sub-Inspector, thus displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order in complete disregard to his personal safety.

The award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th May, 1984.

No. 34-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the Officers

Shri Vikram Singh,
Senior Superintendent of Police, Etah.

Shri Ashok Kumar Rawat,
Sub-Inspector, Aliganj,
Distt. Etah.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 19th May, 1982, information was received that dacoit Pothi alongwith his gang would assemble near village Bithera, Police Station Aliganj. Dacoit Pothi was involved in about 52 heinous offences and was also responsible for the Nathuapur case in which Inspector Incharge of Police Station, Aliganj, 9 Policemen and 3 members of the public were brutally killed. He was wanted by the police and a reward of Rs. 10,000/- was carried on his head.

The available police force was requisitioned and it was decided to surround the gang from three sides. Shri Vikram Singh, Senior Superintendent of Police was leading one of the three parties. Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector was rendering active help to Shri Vikram Singh in the operation. The dacoits were asked to surrender but they started firing indiscriminately at the police party. They were well entrenched due to the presence of trees, drains and walls but the police parties were in the open without any cover. The dacoits threw a hand-grenade at Shri Vikram Singh but he had a miraculous escape. The dacoits then opened heavy fire from automatic and semi-automatic weapons. In spite of the heavy fire and desperate attack by the dacoits, the police launched a commando attack and succeeded in killing the two dacoits Punna and Pothi. A stengun with 4 rounds in the magazine and 18 live rounds, a .303 service rifle alongwith 36 rounds, were recovered from them.

In this encounter Shri Vikram Singh, Senior Superintendent of Police and Shri Ashok Kumar Rawat, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th May, 1982.

No. 35-Pres/85.—The President is pleased to award Bar to the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Amar Singh, (2nd Bar)
Deputy Superintendent of Police,
Etah.

Shri Ram Charan Singh, (1st Bar)
Inspector of Police,
Aliganj, Distt. Etah.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 19th May, 1982, information was received that dacoit Pothi alongwith his gang would assemble near village Bithera, Police Station Aliganj. Dacoit Pothi was involved in about 52 heinous offences and was also responsible for the Nathuapur case in which Inspector incharge of Police Station Aliganj, 9 Policemen and 3 members of the public were brutally killed. He was wanted by the police and a reward of Rs. 10,000/- was carried on his head.

The available police force was requisitioned and it was decided to surround the gang from three sides. Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police and Shri Ram Charan Singh, Inspector were leading two of the three police parties. The dacoits were asked to surrender but they started firing indiscriminately at the police parties. They were well entrenched due to the presence of trees, drains and constructions around the walls but the police parties were in the open without any cover. The dacoits threw a handgrenade at the police parties which burst very close to Shri Vikram Singh, Sr. Supdt. of Police but he had a miraculous escape. The dacoits then opened heavy fire from automatic and semi-automatic weapons. In spite of the heavy fire and desperate attack by the dacoits, the police parties launched a commando attack and succeeded in killing the two dacoits Punna and Pothi. A stengun with 4 rounds in the magazine and 18 live rounds, a .303 service rifle alongwith 36 rounds, were recovered from them.

In this encounter Shri Amar Singh, Dy. Supdt. of Police and Shri Ram Charan Singh, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 19th May, 1982.

No. 36-Pres/85.—The President is pleased to award the Bar to Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Names and rank of the officers

Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Etah.	(1st Bar)
Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, Etah.	(3rd Bar)
Shri Ram Charan Singh, Inspector of Police, Aliganj, Etah.	(2nd Bar)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd March, 1982, an informer reported that Mahabira alongwith his gang was present in village Jahan Nagar, Police Station Aliganj. Immediately five raiding parties were formed. Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, PAC, Agra, were in the main assault party. Shri Ram Charan Singh was given charge of the party in plain clothes which was to act as a stopper. On sensing the approach of the police, the gang opened heavy fire and tried to escape under the cover of fire. The police chased the gang and closed the possible escape route in the face of heavy and continuous fire. The dacoits attacked Shri Vikram Singh and his party with grenades and automatic weapons. In complete disregard of their personal safety the police party charged the dacoits with determination and ultimately was successful in gunning down the dreaded dacoits Mahabira and his two associates Kare and Lalloo.

In this encounter Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Ram Charan Singh, Inspector, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Bar to Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd March, 1982.

No. 37-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :

Name and rank of the officer

Shri Shanti Swarup Sharma,
Coy. Commander,
15th Bn., PAC,
Agra.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 22nd March, 1982, an informer reported that Mahabira alongwith his gang was present in village Jahan Nagar, Police Station Aliganj. Immediately five raiding parties were formed. Shri Vikram Singh, Senior Supdt. of Police, Shri Amar Singh, Deputy Supdt. of Police, and Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, PAC, Agra, were in the main assault party. Shri Ram Charan Singh was given charge of the party in plain clothes which was to act as a stopper. On sensing the approach of the police, the gang opened heavy fire and tried to escape under the cover of fire. The police chased the gang and closed the possible escape route in the face of heavy and continuous fire. The dacoits attacked Shri Vikram Singh and his party with grenades and automatic weapons. In complete disregard of their personal safety the police party charged the dacoits with determination and ultimately was successful in gunning down the dreaded dacoit Mahabira and his two associates Kare and Lalloo.

In this encounter Shri Shanti Swarup Sharma, Coy. Commander, exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 22nd March, 1982.

K. C. SINGH,
Deputy Secretary to the President

MINISTRY OF PLANNING

DEPARTMENT OF STATISTICS

New Delhi-110001, the 14th March 1985

ADDENDUM

No. M-13016/12/84-Coord.—After Sl. No. 17 of Para 1 of this Department's Notification No. M. 13016/12/84-Coord. dated 22-8-1984 regarding constitution of the Technical Advisory Committee on Statistics of Prices and Cost of Living, Please add the following :—

18. Director of Economics and Statistics, *Member*
Government of Maharashtra,
D. D. Building, Old Customs House,
Bombay-400023.

R. M. SUNDARAM, Under Secy.

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 20th March 1985

RESOLUTION

No. Glass 10(4)/83.—Vide Resolution No. Glass/10(4)/83 dated 29-10-1983 Government has re-constituted the Development Panel for Glass & Glassware Industry for a period of 2 years from the date of publication of the Resolution in Gazette of India.

The said Resolution was published in Part I Section I of Gazette of India dated 19-11-1983.

Due to sad demise of Shri I. H. Padamsee, member of the Panel, it has been decided to induct Shri A. C. Padamsee in his place.

In place of Shri Saniav Taktawala, it has been decided to take Shri C. A. Taktawala as a member of the Panel, since Shri Saniav Taktawala is no longer involved with the Glass & Glassware Industry.

It has also been decided to induct Shri G. K. Geshwani, Additional Industrial Adviser, DGTD, as a member of the Panel.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Director (Adm.)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL
DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND
COOPERATION)

New Delhi, the 18th March 1985

RESOLUTION

No. 14028/1/85-Econ. Admn.—The Agricultural Prices Commission, which was set up vide Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) Resolution No. 6-2/65-C(L) dated 8-1-1965, will now be known as Commission for Agricultural Costs and Prices with immediate effect.

The terms of reference of the Commission, as originally set out in the Resolution dated 8-1-1965, referred to above, and subsequently revised vide Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation)'s Resolution No. 14011/2/78-Econ.Py. dated 5-3-1980 remain unchanged.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the Ministries and Departments of the Government of India, all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, President's Secretariat, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Prime Minister's Office, Comptroller and Auditor General of India and all Attached and Subordinate Offices under the Ministry of Agriculture and Rural Development (Department of Agriculture and Cooperation).

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. SUBRAMANIAN, Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 1st March 1985

RESOLUTION

Subject :—Reconstitution of the Sindhi Advisory Committee.

No. F. 6-1/85-D.3(L).—In pursuance of the recommendations made in all India conference of Sindhi scholars and writers convened by the Ministry of Education in 1972, a scheme for production of standard literature in Sindhi was prepared. The scheme was launched in 1975 by the Government of India. A Sindhi Advisory Committee consisting of outstanding scholars and academicians of Sindhi language was appointed. The Sindhi Advisory Committee has been re-constituted from time to time. It was last re-constituted in 1978.

2. The Committee would be required to advise the Government on the best manner for the production of academic and other literature in Sindhi, including books on children's literature, reference books, encyclopaedia and text-books. The Committee will, *inter-alia*, include among its members eminent scholars of Sindhi language. Advantage of their presence on the Committee will be taken by the Government to obtain the Committee's advice on such educational matters as may be referred to it.

3. *Functions* : The functions of the Committee will be to advise the Government :

- (a) on production of literature in Sindhi, including books on science and other branches of modern knowledge, children's literature, reference works, encyclopaedias basic text, etc.;
- (b) on matters concerning the promotion of Sindhi as may be referred to it; and
- (c) to undertake such functions for the promotion of Sindhi as may be assigned to it by the Government from time to time.

4. *Composition* : The Sindhi Advisory Committee shall consist of the followings :—

Chairman

- (i) Union Education Minister, Ministry of Education
Ex-officio.

Vice-Chairman

- (ii) Dr. Motilal Jotwani, Delhi.

Members

- (iii) *Scholars*
Prof. Ram Panjwani,
Bombay.
- (iv) Prof. Hari Dilgir Daryani,
Adipur (Kutch).
- (v) Shri Lakshmi Khilani,
Calcutta.
- (vi) Shri Gobind Malhi,
Bombay.
- (vii) Shri Goverdhan Mahbooni Bharti, Ajmer.
- (viii) Dr. (Miss) Popati Hiranandani, Bombay.
- (ix) Shri Khial Das Fanj,
Bhopal.
- (x) Dr. M. K. Jetley, Delhi.
- (xi) Dr. Naryani Samtani,
Varanasi.
- (xii) Prof. C. J. Deswani, Pune.
- (xiii) Shri Bhagwan Dev Acharya,
Delhi.

One representative from each of the following Voluntary Organisation, shall be a member.

- (xiv) All India Sindhi Boli, Sahitya and Kala Vikas Sabha, Bombay.
- (xv) Akhil Bharati Sindhi Boli and Sahitya Sabha, Bombay.
- (xvi) Madhya Pradesh Sindhu Smaj, Indore.
- (xvii) Madhya Pradesh Lekhak Manch, Bhopal.
- (xviii) Madhya Pradesh Sindhi Writers Guild, Bhopal.

Ex-Officio Members

- (xix) Chairman or his nominee of the Sahitya Academy, New Delhi.
- (xx) Chairman or his nominee of National Book Trust.
- (xxi) Joint Education Adviser (Languages), Ministry of Education.
- (xxii) Financial Adviser, Ministry of Education.
- (xxiii) Director, Central Hindi Directorate, New Delhi.
- (xxiv) Director, Bureau for Promotion of Urdu, New Delhi.

Member-Secretary

- (xxv) Director (Languages), Ministry of Education, New Delhi.

The tenure of members shall be two years. Ex-Officio members shall continue as members so long as long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee.

If a vacancy arises on the Committee due to resignation, death, etc., the member appointed against that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of two years.

5. *Meetings* : The Committee shall meet not less than once a year. Meeting may, however, be convened at any time as may be deemed necessary.

6. *Secretariat* : The Central Hindi Directorate (Sindhi Unit) shall function as the Secretariat of the Committee.

7. *Subject Panel/Working Groups/Sub-Committees*: The Committee shall have powers to constitute subject panels Working Groups/Sub-Committees, as necessary, in connection with the discharge of its functions.

ORDER

ORDERED that copies of the Resolution be communicated to all members of the Sindhi Advisory Committee; Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology, Chairman, University Grants Commission, Director General, Council of Scientific and Industrial Research, Directors, Central Institute of Indian Languages, Director, Bureau for Promotion of Urdu, Kendriya Hindi Sansthan, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Central Institute of English and Foreign Languages, National Council for Education Research and Training, all Vice-Chancellors, Prime Minister's Office, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha

Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, and Ministries and Departments of the Government of India

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

T. N. DHAR, Jt. Educational Adviser

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 6th February 1985

No. F. 10-7/79-BPU.—The Central Government/Bhara Sarkar, in pursuance of sub-rule 4 of rule 10 of Official Language (Use for Official purposes of the Union) Rules 1976, hereby notify the office of the BUREAU FOR PROMOTION OF URDU, the staff of which have acquired working knowledge of Hindi

S. R. SINGH, Asstt. Educational Adviser